लिख दी ये जिंदगानी तेरे नाम बांके बिहारी
तेरे दर पे बीत जाए मेरी उमर ये सारी
ओ तेरे दर पे बीत जाए मेरी उमर ये सारी

तेरे नाम का रस पीता रहूं
दर्शन की आशा पे जीता रहूं
तेरे नाम का रस पीता रहूं
दर्शन की आशा पे जीता रहूं
यही बात मन में ठानी
हो जाए कृपा तिहारी
यही बात मन में ठानी
हो जाए कृपा तिहारी , लिख दी ये ....

लीलाओं का आस्वादन करू
वाणी से नित नाम गायन करू
लीलाओं का आस्वादन करू
वाणी से नित नाम गायन करू
दर दर की खाक छानी
मिले मुझको शरण तुम्हारी , लिख दी ये ....

चित्र विचित्र के प्यारे हो तुम
पागल के नैनों के तारे हो तुम
चित्र विचित्र के प्यारे हो तुम
पागल के नैनों के तारे हो तुम
इस जग को क्या बतानी
मेरी तुम्हारी यारी , लिख दी ये ....

लिख दी ये जिंदगानी तेरे नाम बांके बिहारी
तेरे दर पे बीत जाए मेरी उमर ये सारी